बी. ए. तृतीय वर्ष संस्कृत परीक्षा 2009–2010

थम प्रश्नपत्र – वैदिक व लौकिक काव्य एवं गद्य

100 अंक

म्पूर्ण पाठ्यक्रम पाँच इकाइयाँ में और प्रश्नपत्र तीन खण्डों में विभक्त जिनका अंक विभाजन निम्न है।

प्रथम खण्ड	–	10 अंक
द्वितीय खण्ड	–	50 अंक
तृतीय खण्ड	–	40 अंक

ठ्यक्रम एवं विस्तृत विवरण

वैदिक काव्य – वेदचयनम्

) निम्नलिखित सूक्तों का अध्ययन अपेक्षित है –

1. विष्णुसूक्त – ऋग्वेद मण्डल – 1, सूक्त 154
2. इन्द्रसूक्त – ऋग्वेद मण्डल– 2, सूक्त 12
3. प्रजापति सूक्त – ऋग्वेद मण्डल– 10, सूक्त 121
4. पुरुष सूक्त – ऋग्वेद मण्डल – 10, सूक्त 90
5. वाक् सूक्त – ऋग्वेद मण्डल – 10, सूक्त 125

(आ) कठोपनिषद् : प्रथम अध्याय (प्रथम दो वल्ली मात्र)

2. लौकिक काव्य – किरातार्जुनीयम्–भारवि (प्रथम सर्ग)
3. गद्य – शुकनासोपदेश – बाणभट्ट

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ

प्रथम इकाई	–	वेदचयनम्– विष्णु, इन्द्र प्रजापति, पुरुष, वाक् सूक्त।
द्वितीय इकाई	–	कठोपनिषद्– प्रथम अध्याय प्रथम दो वल्ली।
तृतीय इकाई	–	किरातार्जुनीयम्– प्रथम सर्ग–श्लोक 1 से 25 तक
चतुर्थ इकाई	–	किरातार्जुनीयम्– प्रथम सर्ग–श्लोक 26 से 46 तक
पंचम इकाई	–	शुकनासोपदेश

प्रश्नपत्र का विस्तृत अंक विभाजन –

प्रथम खण्ड
(वस्तुनिष्ठात्मक भाग) **10 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठ कुल दस प्रश्न पूछे जाएंगे तथा इनके लिये कुल 10 अंक निश्चित हैं। प्रश्न पाठ्यपुस्तकों के विस्तृत एवं मुख्य विषयों पर आधारित होंगे। अर्थात् किसी एक या दो या तीन स्थान विशेष पर आधारित न होकर पाठ्यक्रम के समग्र भाग पर आधारित होंगे तथा समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे।

द्वितीय खण्ड
(व्याख्यात्मक भाग)

50 अंक

इस खण्ड के अन्तर्गत शत प्रतिशत विकल्प के साथ पाँच प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिये 10 अंक निधारित हैं। इनका पाठ्यक्रमानुसार विभाजन निम्नलिखित प्रकार से होगा –

क. वेदचयनम् – पाठ्यक्रम में ऋग्वेद के दिये गये सूक्तों में से चार मन्त्र देकर किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाएगी। 10 अंक

ख. कठोपनिषद् – चार मन्त्र देकर किन्हीं दो मन्त्रों की व्याख्या पूछी जाएगी। 10 अंक

ग. किरातार्जुनीयम् – प्रथम सर्ग

श्लोक 1 से 25 तक के श्लोकों में से दो श्लोक देकर एक श्लोक की सप्रसंग सटिप्पणी व्याख्या पूछी जाएगी। 10 अंक

घ. किरातार्जुनीयम् – प्रथम सर्ग

श्लोक 26 से 46 तक के श्लोकों में से कोई दो श्लोक देकर एक श्लोक की संस्कृत व्याख्या। 10 अंक

इ शुकनासोपदेश – चार गद्यांश देकर किन्हीं दो का सप्रसंग अनुवाद पूछा जाएगा। 10 अंक

तृतीय खण्ड
विवेचनात्मक भाग

40 अंक

1. इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो विवेचनात्मक प्रश्न विकल्पों के साथ पूछे जाएंगे।

अ वेदचयनम् – दो देवताओं का नाम देकर एक देवता का स्वरूप पूछा जाएगा अथवा कठोपनिषद् के विषय से सम्बन्धित, चरित्र–चित्रण आदि पूछे जाएंगे। 20 अंक

आ. किरातार्जुनीयम् और शुकनासोपदेश की विषयवस्तु से सम्बन्धित, चरित्रचित्रणात्मक, समीक्षात्मक, दोनों की भाषा–शैली, काव्यगत वैशिष्ट्य, गद्य सौन्दर्य आदि। 20 अंक

सहायक पुस्तकें –

1. द न्यू वैदिक सेलेक्शन्स – एस. के. तैलंग एवं बी. बी. चौंबे भारतीयविद्या प्रकाशन, दिल्ली
2. वेदचयनम् – विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी
3. ऋग्भाष्यसंग्रह – डी. आर. चानना
4. वैदिक साहित्य और संस्कृति : पं. बलदेव उपाध्याय
5. वैदिक साहित्य का इतिहास : कुंवरलाल जैन, भारतीय विद्याप्रकाशन, दिल्ली
6. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) अजमेरा बुक कम्पनी, जयपुर
7. संस्कृतकविदर्शन : भोलाशंकर व्यास
8. कठोपनिषद् : अजमेरा बुक कम्पनी, जयपुर
9. शुकनासोपदेश : अजमेरा बुक कम्पनी, जयपुर
10. शुकनासोपदेश : भारतीय विद्या प्रकाषन, दिल्ली